दृष्टि The Vision

drishti

सामान्य अध्ययन

निर्धारित समय: 2 घंटा 10 मिनट
Time allowed: 2 Hour 10 Minutes

अधिकतम अंक: ~~200~~ 250
Maximum Marks: 200

Name: PRAHLAD NARAYAN SHARMA

Mobile Number: [redacted]

Medium (English/Hindi): Hindi

Email: Pnsharma002@gmail.com

Center & Date: New Delhi / 13-11-2021

UPSC Roll No. (2021): 6316501

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

All the questions are compulsory.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (*To be filled by Evaluator only*)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	3	11.	60
2.	2	12.	
3.	4.5	13.	
4.	4	14.	
5.	3.5	15.	
6.	6		
7.	5		
8.	3		
9.	4.5		
10.	5.5		
Grand Total (सकल योग)	101/250		

E-872

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

---

* संदर्भ दक्षता औसत है
* परिचय दक्षता औसत है
* विषय-वस्तु दक्षता अच्छा है
* भाषा अच्छा है
* निष्कर्ष दक्षता औसत है
* प्रस्तुति दक्षता औसत है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. दृष्टिकोण — Covid का रोजगार पर प्रभाव
— यूनिवर्सल बेसिक सर्विस
→ महिला सशक्तिकरण
→ निष्कर्ष

Covid का महिला रोजगार पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़े जो निम्न हैं —

1. कार्य का छूट जाना
2. कार्य के घंटे अनिश्चित होना
3. कार्य की सुनिश्चितता न होना
4. रोजगार के अभाव में गरिमा को ठेस
5. घर पर रहने से domestic violence की घटनाएं बढ़ना।
6. Technology की कमी व skill की कमी के कारण "work from home" में भी परेशानी होना।
7. ऐसे समय में परिवार व रोजगार दोनों के बीच सामंजस्य बैठाने में परेशानी।

यूनिवर्सल बेसिक सर्विसेज प्रोग्राम :-

इसके द्वारा व्यक्ति को एक सम्मानजनक व गरिमा पूर्ण जीवन के लिए आवश्यक सुविधाओं को सरकार के द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा तथा इसके कई रूप वर्तमान में हम देख भी रहे हैं जो निम्न हैं —

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बेसिक सर्विस

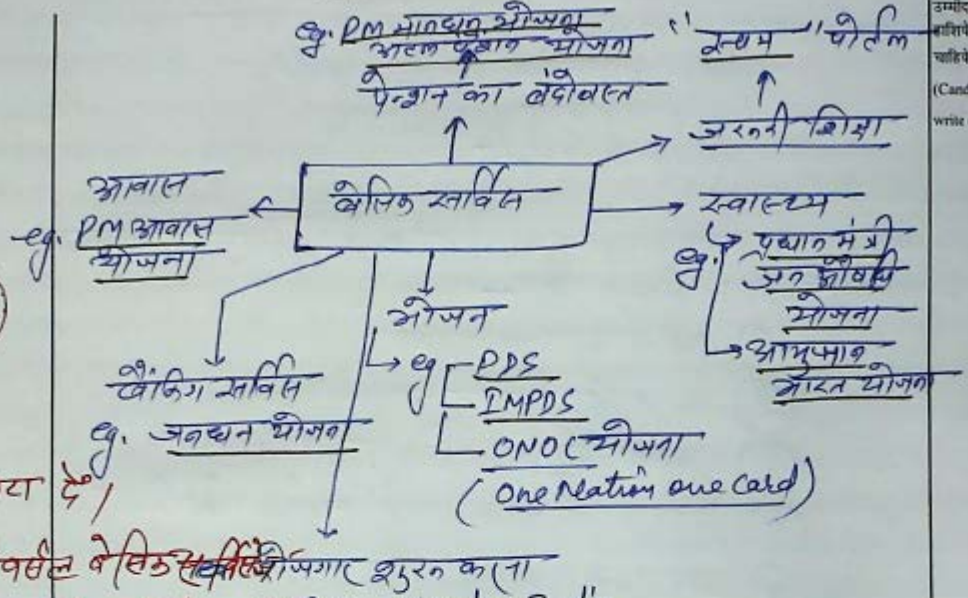

- आवास — eg. PM आवास योजना
- पेन्शन का बंदोबस्त — eg. PM मानधन योजना, अटल पेंशन योजना
- जरूरी शिक्षा → 'स्वयम' पोर्टल
- स्वास्थ्य — eg. प्रधानमंत्री जन औषधि योजना, आयुष्मान भारत योजना
- भोजन — eg. PDS, IMPDS, ONOC योजना (One Nation one card)
- बैंकिंग सर्विस — eg. जनधन योजना
- रोजगार शुरू करना — eg. Standup India, Startup India

सरकार द्वारा चलाये गये इन योजनाओं से महिला को निम्न रूप से सशक्तीकरण होगा —

1. आराम सुनिश्चित होगी
2. अनावश्यक तनाव से मुक्ति
3. कार्यस्थल पर शोषण से मुक्ति
4. स्वयं के पोषण व बच्चे के पोषण का ख्याल।

महिलाओं के लिए सरकार द्वारा onestop centre, मेटरनिटी बेनेफिट प्रोग्राम आदि उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए सकारात्मक प्रयास है।

(Evaluator's remarks in red:)

3/10

* कुछ डाटा दें।
* 'यूनिवर्सल बेसिक सर्विस' प्रोग्राम को संक्षिप्त में बताएँ।
* इसके संयुक्त लाभों प्रभावों को विस्तार दें।
* इसे राज्य के कल्याणकारी स्वरूप से जोड़ें।
* सशक्तिकरण के अन्य उपाय भी बताएँ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. दृष्टिकोण – सार्क ?
- भारत की भूमिका
- अन्य संगठन

सार्क :- SAARC – दक्षिण एशियाई देशों का समूह है जिसमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव शामिल हैं। वर्तमान में यह कार्यरत नहीं है जिसकी प्रमुख वजह पाकिस्तान द्वारा समर्थित आतंकवादी घटनाएं हैं।

SAARC के कार्य :- इसके द्वारा निम्न कार्य किये जाते थे

⇓

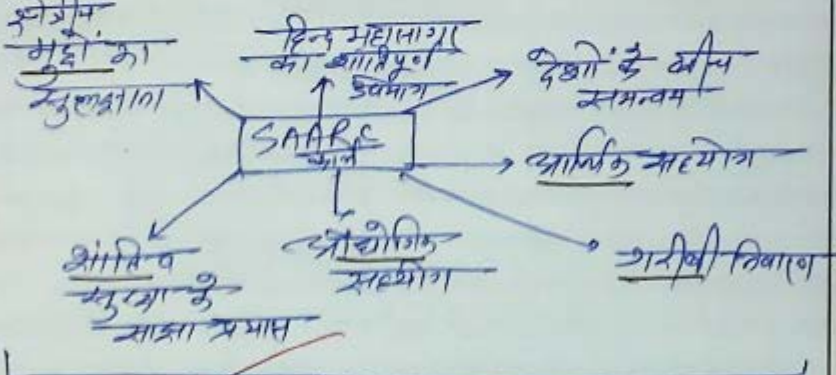

इन अर्थों में यह एक सकारात्मक संगठन था लेकिन इसकी मूलभावना शांति व सहयोग आतंकवादी घटनाएं जैसे 26/11 की घटना, संसद पर हमला, पठानकोट पर हमला के कारण समाप्त हो गयी इसी कारण भारत ने इसे कुछ समय के लिए महत्व नहीं दिया ताकि पाकिस्तान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की नीतियों को सामने लाया जा सके।

भारत के पास अन्य विकल्प :-

① BBIN, BIMSTEC, G-20, BRICS, आदि के द्वारा सहयोग।

② दक्षिण एशिया में BBIN व BIMSTEC SAARC की जगह बेहतर योगदान कर सकता है जिसको भारत द्वारा भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

⇓

BIMSTEC के सभी राष्ट्राध्यक्षों को PM द्वारा शपथ ग्रहण में बुलाना इसका उदाहरण है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

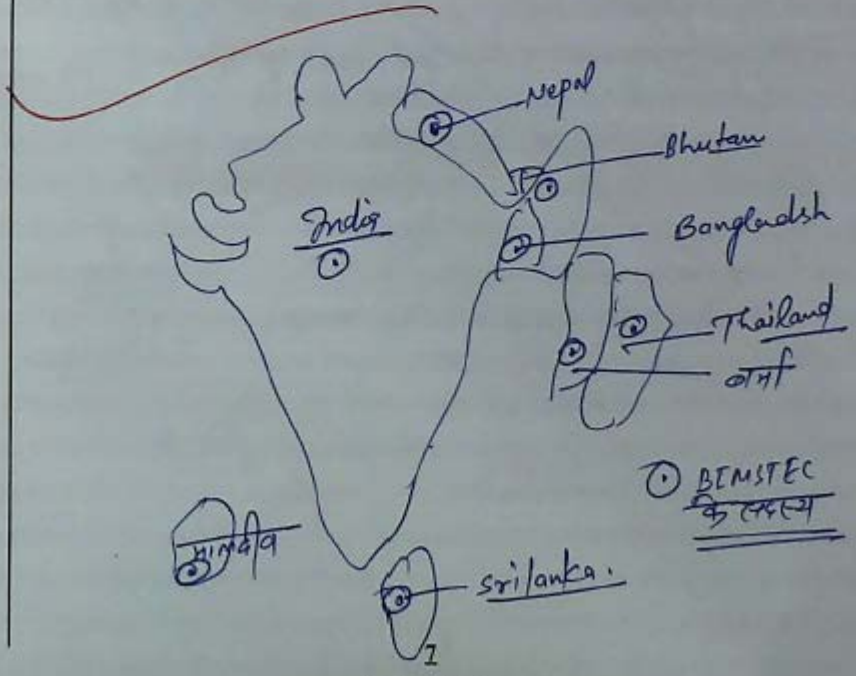

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) कलादान multimodel द्वारा thailand तथा म्यांमार से connect करके इनका सहयोग करना।

(4) Bhutan, Bangladesh, India के बीच MotorVehicle Agreement का होना।

भारत द्वारा इन सबके साथ विभिन्न मंचो जैसे UN, IMF, WB, FATF, G-20 के द्वारा पाकिस्तान नीतियो पर एक वैश्विक दबाव बनाकर इसे अपने गलत आदतें को छोड़ने को मजबूर करके वापस SAARC को धीरे-2 पुनर्जीवित करना चाहिए।

2/10

* लार्क की असफलता को बताएं इस हेतु अन्य क्षेत्रीय संगठनों से तुलना करें। जैसे- ASEAN etc। थोड़ा असफलता का कारण भी दें।

* तब भारत के हित में कैसे है? यह बताएं।

* अंत में सुझाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3.

दृष्टिकोण :- दृढ़ता क्या है।
→ क्यों important
→ other गुण कौनसे

जॉन लॉक के कथन में दृढ़ता पर जोर दिया गया है दृढ़ता उस गुण को दिखाता है जिसमें हम कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य व इरादों तथा मूल्यों पर टिके रहते हैं। अन्यथा कभी भी फिसल सकते हैं।

निम्न उदाहरण से इसे समझ सकते हैं:-

दृढ़ता
- विचारों की → eg. विवेकानंद
- मान्यताओं की → eg. मंडेला
- कर्म की (Action की) → eg. कृष्णाचरण
- thinking की → eg. सुकरात
- व्यक्तित्व की दृढ़ता eg. गांधीजी

अन्य गुण
- करुणा
- ईमानदारी
- समानुभूति
- सत्यनिष्ठा
- तटस्थता
- परोपकार
- दया
- अहिंसा
- सहानुभूति
- त्याग

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

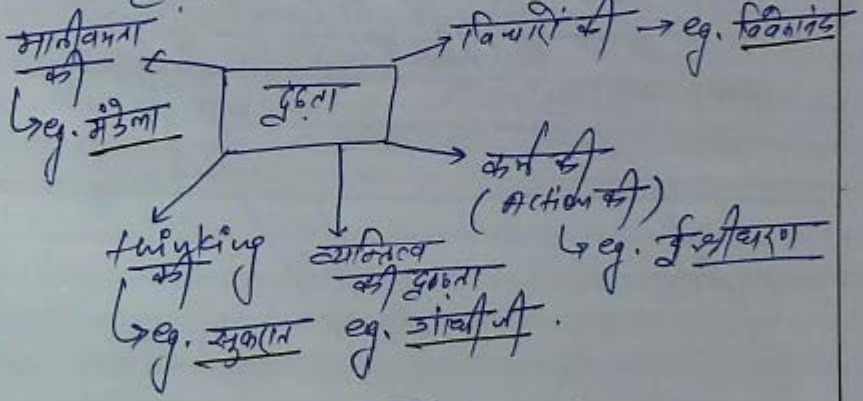

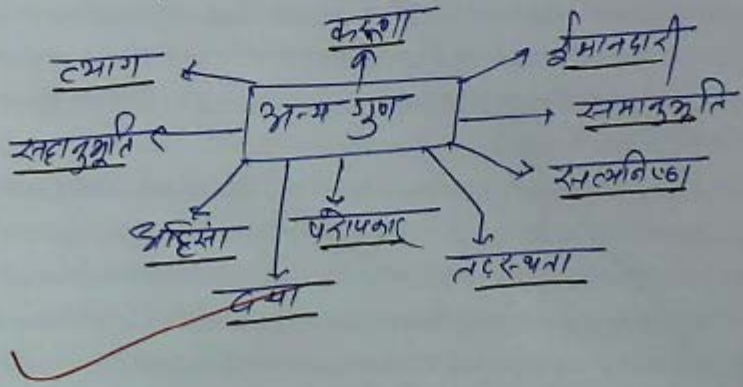

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(1) गांधीजी में अहिंसा को लेकर दृढ़ता थी इसलिए कभी भी हिंसा का समर्थन नहीं किया eg. क्रांतिकारी घटनाओं का समर्थन न करना।

(2) नेल्सन मंडेला में मानवीयता व अश्वेत नस्लवाद को समाप्त करने की दृढ़ता थी इसलिए पूरे 27 साल जेल में बिता दिये।

(3) भगत सिंह स्वतंत्रता को लेकर दृढ़ थे अतः हंसते-2 फांसी पर लटक गये।

यदि इनमें दृढ़ता न होती तो ये लक्ष्य कभी प्राप्त नहीं हो पाते अतः अन्य सद्गुणों को बनाये रखने के लिए दृढ़ता आवश्यक है।

4.5/10

* बेहतर प्रयास है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. दृष्टिकोण - ईमानदारी क्या है
→ नैतिक रूप से ईमानदार क्या है
→ प्रभावी व कुशल सिविल सेवक
→ निष्कर्ष

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ईमानदारी :- यह एक नैतिक मूल्य है जिसे कोई भी सिविल सेवक अपने लक्ष्यों को पाने के लिए समर्पित रहता है कार्य के प्रति समर्पण भाव दर्शाता है। लेकिन यह सभी परिस्थितियों में समर्पण भाव की आशा नहीं कर सकती।

Eg. ज्यादा ही नैतिक संकट के समय सिविल सेवक "corrupt" हो सकता है जब उसे स्वयं तथा अन्य के हित दिखना हो।

नैतिक रूप से ईमानदारी :- यह एक तरह से ईमानदारी का वह रूप है जो एक सिविल सेवक सभी परिस्थितियों में follow करता है यह सत्य निष्ठा के करीब है। इसमें तीन तत्व होते हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

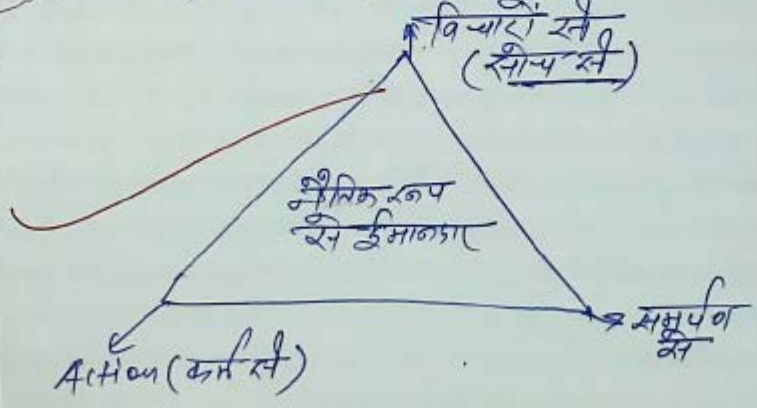

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सिविल सेवकों के कुशल व प्रभावी होने की आवश्यकता निम्न कारणों से है:-

कारण

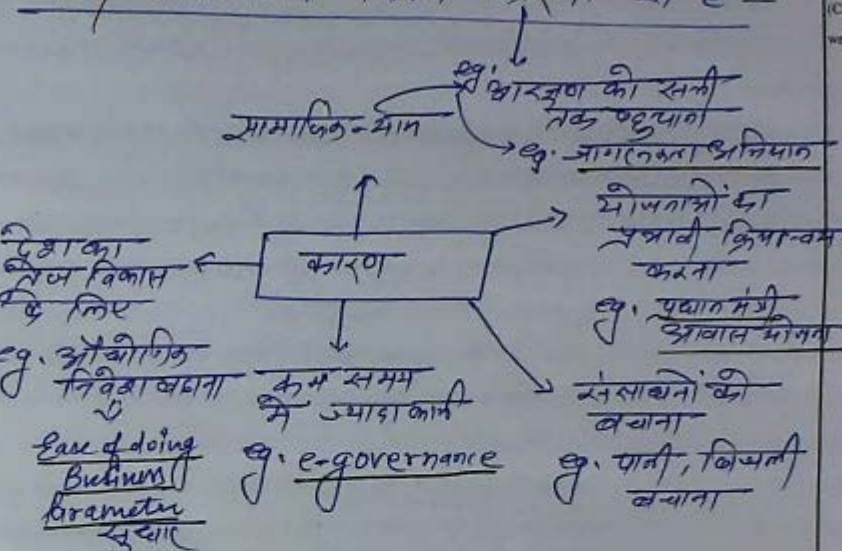

- सामाजिक न्याय
  - eg. आरक्षण को सही तक पहुंचाना
  - eg. जागरूकता अभियान
- योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करना
  - eg. प्रधानमंत्री आवास योजना
- संसाधनों को बचाना
  - eg. पानी, बिजली बचाना
- कम समय में ज्यादा कार्य
  - eg. e-governance
- देश का तेज विकास के लिए
  - eg. औद्योगिक निवेश बढ़ाना → Ease of doing Business parameter सुधार

वर्तमान में सरकार द्वारा सिविल सेवकों के training पर विशेष ध्यान दे रही है तथा iGOT प्लेटफार्म द्वारा उनके skill पर ध्यान देकर तथा Code of Ethics लाकर इसे और मजबूती दिया जा सकता है।

4/10

→ निष्कर्ष में बताएं कि ईमानदारी के साथ कुशलता एवं प्रभाविता का गुण भी आवश्यक है। यह राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. दृष्टिकोण – मानवता क्या है?
- पूंजीवाद क्या है
- → टकराव
- → आलोचना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मानवता :- मानवता एक मूल्यों का समुच्चय है जिसमें व्यक्ति मानवीय सहायता, उसकी गरीमा, उसके प्रति प्यार, करुणा तथा सम्मान को दर्शाता है।

पूंजीवाद :- यह आर्थिक विचार धारा है जिसका मुख्य मकसद निम्न है -

पूंजीवाद
- → Invisible Hand की अवधारणा
- → आर्थिक लाभ कमाना
- → उत्पादन के साधनों का नीजीकरण
- → बाजारवाद को बढ़ावा देने वाली
- → नीजी हाथों में उत्पादन व वितरण
- → भौतिकवाद को बढ़ावा देने वाली
- → खरीदने की शक्ति का समर्थन → जिसके पास पैसा उसकी सेवा

eg. अमेरिका
ब्रिटेन आदि की अर्थव्यवस्था

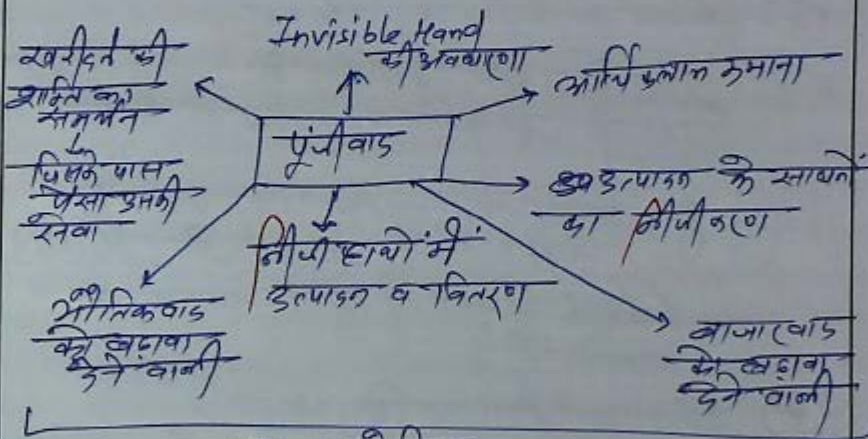

भारतीय अर्थव्यवस्था इस सन्दर्भ में मिश्रित है।

भारतीय अर्थव्यवस्था
मिश्रित ⇒ पूंजीवाद + समाजवाद

रिलायंस → नीजी उद्योग ; सरकारी जन कार्यक्रम eg. PM आवास योजना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कोरोना काल में टकराव :-

① पेटेन्ट विवाद :- गरीब देशों को vaccine का न मिल पाना
eg. फाइजर की महंगी vaccine

② व्यापार घाटा की बढ़ोतरी :-
इन गरीब देशों को नुकसान
जिनकी आर्थिक संरचना कोरोना से नष्ट हो गयी है उत्पादन क्षमता कम हो गयी।
eg. अफ्रीकी देश

③ अनिवार्य लाइसेंसिंग पर विवाद

④ WTO के बाली सम्मेलन के प्रावधानों तथा दोहा के प्रावधानों का लागू न किया जाना।
eg. इसके तहत गरीब देश संकट के समय अपने Health से Related Patent नियमों की स्वयं व्याख्या कर सकते हैं।

⑤ लोगों का रोजगार छिन जाना :-
↳ इस समय पूंजीवादी अर्थव्यवस्था online माध्यम से कार्य कर Physical eg. कार्य को हतोत्साहित कर रही है

⑥ अमेरिका द्वारा गरीब देशों को वैक्सीन पर पेटेंट छूट न देकर संकट की अवस्था में अपने नागरिकों को महत्व देना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसी सन्दर्भ में देखने से यह भी लगता है कि भारत ने अपने सभी पड़ोसी देशों को आर्थिक व वैक्सीन देकर पूंजीवादी विचार धारा से ज्यादा मानवता को महत्व दिया है।

3.5/10

* लाभ एवं लोककल्याण के बीच संतुलन स्थापित करने में सरकार की भूमिका बताएं
* निष्कर्ष में पूंजीवादी उद्देश्य पर पुनर्विचार का सुझाव दें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बक्सर की लड़ाई
→ British साम्राज्य का विस्तार व स्वाधीनता में योगदान
→ निष्कर्ष
→ तिथि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

<u>बक्सर का युद्ध</u> :- बक्सर का युद्ध <u>1764</u> में अंग्रेजों तथा मुगल सम्राट <u>शाह आलम</u>, अवध के नवाब तथा बंगाल के नवाब शुजा<u>उद्दौला</u> के बीच लड़ा गया।

<u>बक्सर की लड़ाई के मुख्य कारण</u> :-

i) अंग्रेजों द्वारा बंगाल के शासन में <u>हस्तक्षेप</u> करना।

ii) <u>व्यापारिक एकाधिकारों</u> की उल्लंघन करना

iii) राज्य की <u>सम्प्रभुता</u> के लिए खतरा उत्पन्न करना

iv) <u>अंग्रेजों</u> का भारत में मजबूती का डर

<u>बक्सर के युद्ध के बाद ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार</u> :-

बक्सर के युद्ध के बाद इलाहाबाद की संधि के द्वारा अंग्रेजों को <u>बंगाल, बिहार</u> व <u>उड़ीसा</u> की <u>दीवानी</u> प्राप्त हो गयी जिसका उपयोग कर अंग्रेज भारत से सामान खरीदते व ब्रिटेन में बेचकर भारी मुनाफा कमाते थे।

<u>दीवानी अधिकार</u> के अलावा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बंगाल में द्वैध शासन की स्थापना की गयी जिसके द्वारा बंगाल का प्रशासन अंग्रेजों के हाथों में आ गया। इसके निम्न प्रभाव पड़े –

i> कंपनी की आय सुनिश्चित हुई

ii> व्यापार का दायरा बढ़ा

iii> बंगाल राजपूत, मराठा व जाट शक्तियों से सुरक्षित दूरी पर था अतः राज्य विस्तार हो सका

iv> कंपनी की सैन्य शक्ति बढ़ी

v> यहां के धन बल का इस्तेमाल अन्य जगहों के विद्रोह को दबाने के लिए किया गया।

* बक्सर की जीत के पश्चात मिले दीवानी अधिकार ने कंपनी की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया फलतः सैन्य शक्ति का विकास हुआ साथ ही सुदूरवर्ती क्षेत्रों में कंपनी बिना हस्तक्षेप किये अपनी प्रशासनिक पकड़ को मजबूत की।

ऊँची दरों पर बेचना
↓
भारी मुनाफा कमाना
↓
कंपनी का सुदृढ़ीकरण करना।

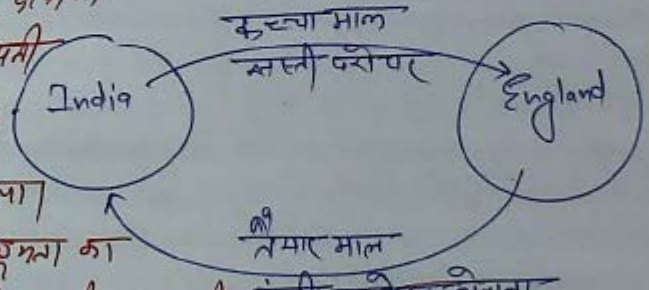

बक्सर के युद्ध ने अंग्रेजों के साम्राज्य विस्तार व सुदृढ़ीकरण को मजबूती देने का काम किया जिसकी नींव प्लासी के युद्ध से पड़ गयी थी।

6/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. दृष्टिकोण :- → स्थानीय शासन क्या है?
→ पारदर्शिता व दक्षता के उपाय
→ स्मार्ट व समावेशी शासन
→ कदम?

स्थानीय शासन :- भारत में 73वें तथा 74वें संविधान संशोधन के द्वारा पंचायतों तथा नगरपालिकाओं की स्थापना की गयी जिसका मुख्य लक्ष्य लोगों की प्रशासन में भागीदारी बढ़ाना तथा समावेशी विकास था।

स्थानीय निकायों में पारदर्शिता व दक्षता के उपाय :-

i> सिटिजन चार्टर को अच्छे से लागू करना
eg. MGNREGA
PM-ग्रामसड़क योजना

ii> निकाय चुनावों में धन बल के इस्तेमाल पर रोक
eg. C-vigil App का इस्तेमाल करना

iii> Social Audit को अपनाना
eg. MGNREGA

iv> ग्राम सभा के निर्णयों का लेखा जोखा रखना

v> ग्राम में बजट का पूरा Computerization के द्वारा डेटा रखना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दक्षता के उपाय :-

i> ~~training~~ Skill development

ii> ट्रैनिंग उपलब्ध कराना

eg. संरपच को प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण

iii> गांव व निकायों की कार्यप्रणाली को digital रूप में लाना।

eg. भूलेखों का डिजीटलीकरण

सरकार द्वारा इसके लिए उठाये गये कदम :-

i> गांवों में तथा निकायों मे Social Audit को अपनाने पर जोर।

ii> Common Service Centre द्वारा लोगों को ऑनलाइन सर्विस दी जा रही है।

iii> प्रधानमंत्री भूमि डिजीटलीकरण योजना का क्रियान्वयन।

iv> प्रगति (PRAGTI) योजना के तहत यहां की योजनाओं की निगरानी।

v> Remotesensing का उपयोग कर निगरानी करना।

v> जियोटैगिंग का इस्तेमाल किया जा रहा है।

eg. महानरेगा के द्वारा निर्मित ढांचा।

vi> प्रधानमंत्री डिजिटल साक्षरता अभियान द्वारा लोगों को टैक्नोलॉजी की समझ देना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इन सभी कदमों के साथ यदि गावों में लोगों को Social media द्वारा जागरूक किया जाये तो इसका प्रभावी परिणाम देखने को मिलेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5/15

* वर्तमान में स्थानीय निकाय प्रबंधन की समस्या को बताए
* तत्पश्चात पारदर्शिता एवं दक्षता के उपाय इन समस्याओं को कैसे दूर कर सकते हैं यह बताएं विशेषतः स्मार्ट
* एवं समावेशी शासन के विकास में।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. दृष्टिकोण : सुभाषचन्द्र बोस
- सामाजिक सुधार
- उनका योगदान
- स्वतंत्रता की धारणा

सुभाषचन्द्र बोस सिविल सेवा के एक अच्छे कैरियर चुनाव को छोड़कर राष्ट्रीय आन्दोलन में शामिल हो गये तथा इन्होंने असहयोग आन्दोलन में प्रभावी भूमिका निभायी।

सुभाष चन्द्र बोस द्वारा निम्न सामाजिक सुधारों पर जोर दिया गया -

सामाजिक सुधार
- महिला की स्थिति में सुधार करना eg. बालविवाह, दहेज प्रथा
- शिक्षा को बढ़ावा देना
- महिला शिक्षा
- गरीबों का शोषण रोकना
- हिन्दू व मुस्लिम एकता
- लोगों को रूढ़िवादी होने से रोकना eg. कर्मकांड, बलिप्रथा

राष्ट्रीय आन्दोलन में सामाजिक सुधारों का योगदान :-

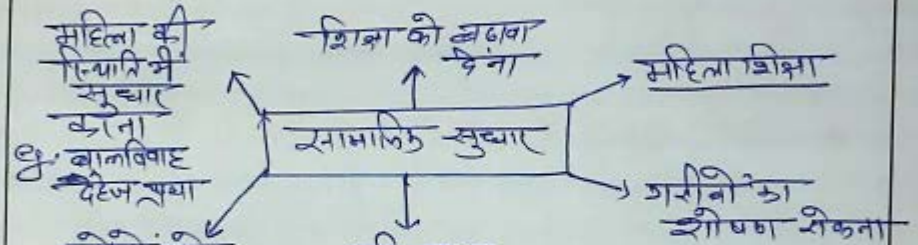

योगदान
- महिला भागीदारी बढ़ी eg. असहयोग आन्दोलन
- मजदूरों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया eg. सविनय अवज्ञा आन्दोलन
- लोग अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं से जुड़े eg. 2nd world war.
- लोग सुभाष के लक्ष्यों के प्रति जागृत हुए → eg. स्वतंत्रता प्राप्ति का लक्ष्य

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

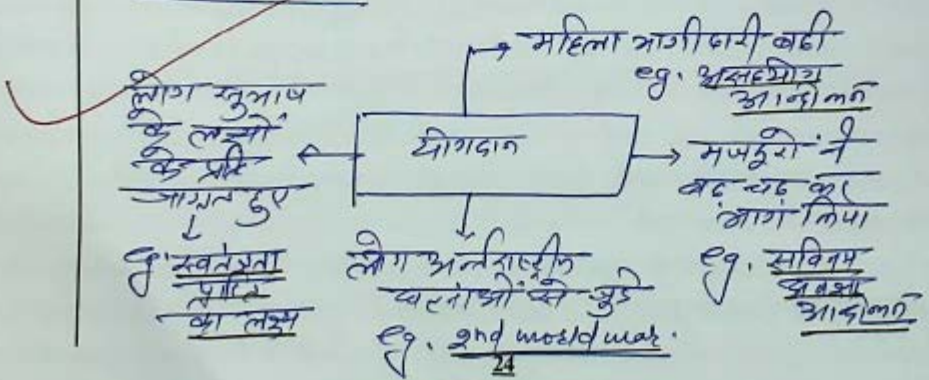

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुभाष चन्द्र बोस की स्वतंत्रता की अवधारणा !-

साधन —— **साध्य**

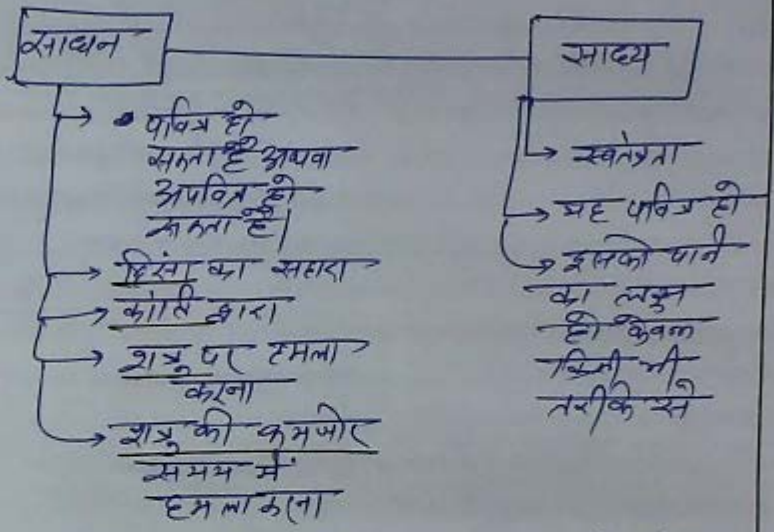

साधन:
- पवित्र हो सकता है अथवा अपवित्र भी हो सकता है
- हिंसा का सहारा
- क्रांति द्वारा
- शत्रु पर हमला करना
- शत्रु की कमजोर समय में हमला करना

साध्य:
- स्वतंत्रता
- यह पवित्र हो
- इसको पाने का लक्ष्य ही केवल किसी भी तरीके से

सुभाष चन्द्र बोस केवल साध्य की पवित्रता पर जोर देते थे जबकि गांधीजी साध्य व साधन दोनों की पवित्रता पर जोर देते थे

3/15

* अवधारणात्मक समझ को मजबूत कीजिए
S.C. Bose के समाजवादी विचारों को उद्घाटित करना प्रश्न की मांग है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. दृष्टिकोण : 1857 की क्रांति
→ कारण
→ परिणाम
→ उसके बाद English नीतियां

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1857 की क्रांति की शुरुआत 10 May 1857 को हुई जो मेरठ छावनी से शुरु हुई लेकिन इसका कारण अंग्रेजों की सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक नीतियां थी जिससे लोगों में गुस्सा भरा गया।

अंग्रेजों के कार्य जिनके कारण क्रांति का मार्ग प्रशस्त हुआ –

1> कुरूप लगान दरें
2> राज्यों की उत्तराधिकार का, उनका अधिकार छिन लेना (डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स)
eg. झांसी, सतारा
3> सहायक संधि प्रणाली
eg. सूरत, अवध
4> धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप
eg. विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1856
5> राज्यों के स्वयं के मामले
eg. नाना साहेब का पेंशन का मामला।
→ अवध का अधिग्रहण का मामला।

यह प्रस्तावना सही नहीं है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आन्दोलन विफलता का कारण !-

1) सही समय पर क्रांति न होना।
2) सही नेतृत्व क्षमता का अभाव
3) समन्वय का अभाव
4) हथियारों की कमी।

1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजों की नीतियाँ !-

1. भारत से कम्पनी का शासन पूरी तरह समाप्त कर दिया गया।
2. ब्रिटिश क्राउन के अधीन शासन
3. गवर्नर जनरल के पद को वायसराय का पद बनाया गया।
4. भारत सचिव का पद सृजन
5. राज्यों के अधिकारों की रक्षा का आश्वासन।
6. "डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स" का त्याग
7. सेना में यूरोपीय सैनिक की संख्या बढ़ायी गयी।
8. लड़ाकू व गैर लड़ाकू जातियों में विभेद करना।
9. हिन्दू व मुस्लिम मतभेदों को बढ़ावा देना Start.
10. धार्मिक तुष्टिकरण की नीति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजों ने सामाजिक सुधारों की जगह कंपनी के सुदृढ़ीकरण पर ध्यान दिया तथा यहां धार्मिक तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया जिसका भयावह परिणाम भारत विभाजन के रूप में देखा गया।

4.5/15

* अवधारणात्मक समझ को मजबूत कीजिए। बिंदु-बार उत्तर लिखें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10. दृष्टिकोण - जलवायु परिवर्तन क्या है

→ चक्रवात क्या है

→ कहा पर ज्यादा

→ शमन नीति

→ कदम

→ विश्लेषण

जलवायु परिवर्तन :- मानवीय क्रियाकलापों के कारण जलवायु पर पड़ने वाला विपरीत प्रभाव जैसे Global warming, हरित गृह प्रभाव आदि को जलवायु परिवर्तन कहते है।

जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवात बढ़ने का कारण :-

(1) समुद्रों का गर्म होना

(2) गर्म समुद्रों द्वारा ज्यादा आर्द्रता निर्माण

(3) आर्द्रता के कारण गुप्त ऊष्मा के रूप में पर्याप्त ऊर्जा की प्राप्ति व चक्रवातों का निर्माण।

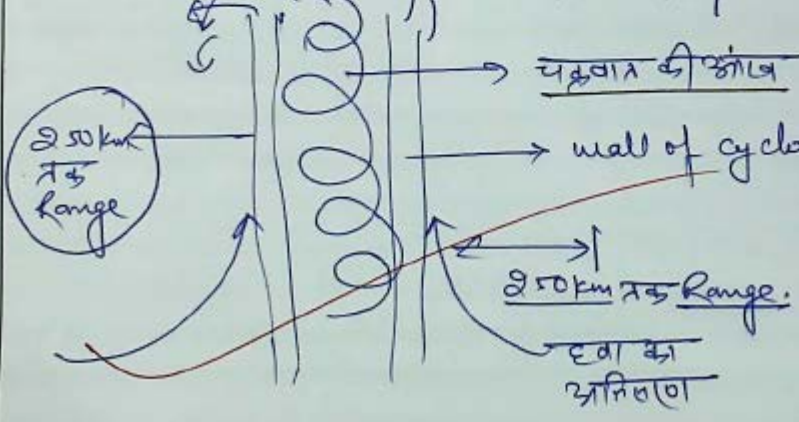

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन सभी राज्यों का तटीय भागों से जुड़ा होना इनकी सुभेद्यता को बढ़ाता है।

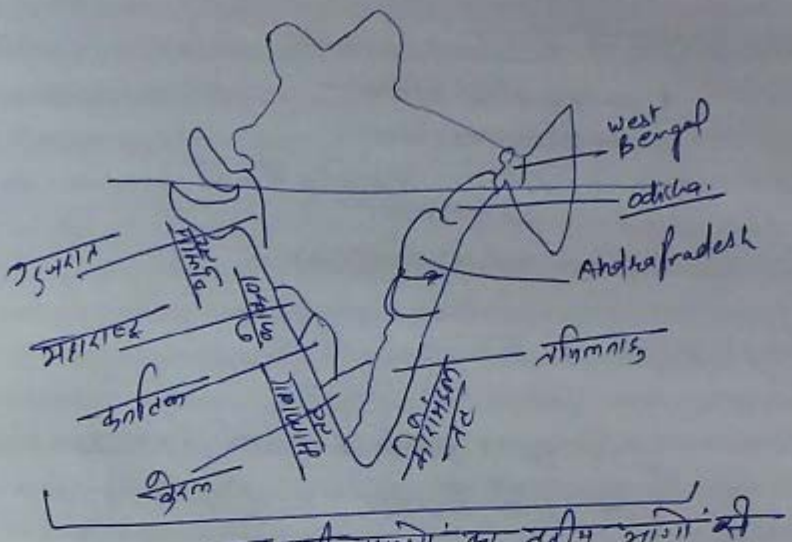

इन सबके लिए आपदा प्रबंधन की जरूरत है जो निम्न है -

1) आपदा से पहले की तैयारी

पहले से पक्के कार्य का निर्माण

आपदा से पहले

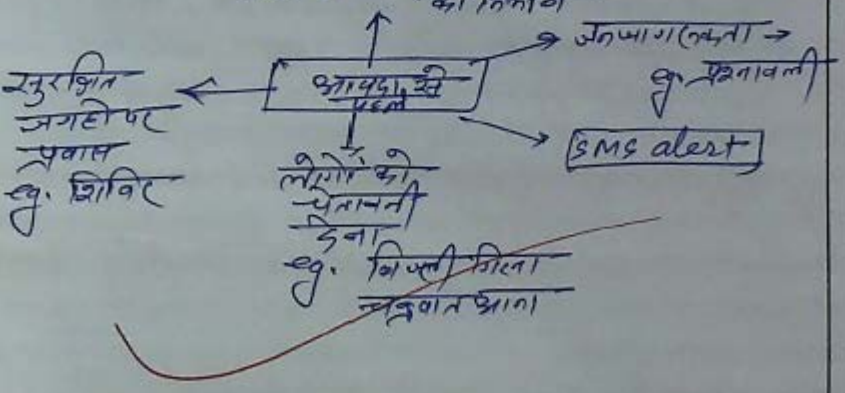

- → जनजागरूकता → eg. प्रश्नावली
- → SMS alert
- → सुरक्षित जगहों पर प्रवास eg. शिविर
- → लोगों को चेतावनी देना eg. बिजली गिरना, चक्रवात आना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2) आपदा के समय :-
- Medical सुविधा
- भोजन सुविधा
- तेजी से राहत कार्यक्रम लागू करना
- पिडितों को बचाना

③ आपदा के बाद :-
- पुनर्वास की ओर
- "Build Back Better" Strategy
- मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग करना
- आर्थिक सहायता प्रदान करना
- बच्चों के स्कूलों का प्रबंधन करना।

सरकार द्वारा सेन्डई फ्रेमवर्क को अपनी आपदा प्रबंधन नीति में अपनाना तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 को लागू करना इसका सकारात्मक कदम है इसी कारण अब चक्रवाती के कारण पहले की तुलना में कम जानमाल की हानि होती है।

5.5/25

* उपायों को प्रश्न में पूछे गए आधार पर वर्गीकृत कीजिए। जैसे- शमन की रणनीति आदि।

* चक्र के कुछ उदाहरण दे सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11.

" गरीबी क्रांति और अपराध की जननी है"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

" मैंने गरीब को खाते खाते देखा है
मैंने गरीब को मुस्कुराते देखा है
मैंने गरीब को सम्मान पाते देखा है
मैंने गरीब को आशावादी बनते देखा है
अनन्त की आरजू न रह अब मुझे
मैंने गरीब को सम्भ्रान्त होते हुए देखा है।"

कवि की यह कल्पना दर्शाती है कि वर्तमान में गरीबी पूरे विश्व में एक प्रमुख मुद्दा बन गया है; चाहे वह UN के SDG (Sustainable Development goal) संख्या - 1 हो; या मिलेनियम डवलपमेन्ट गोल हो; या आई एमएफ, विश्व बैंक अथवा एशियन डेवलपमेंट बैंक की रिपोर्ट हो; या देशों की राजकोषीय अथवा मौद्रिक नीतियां हों; या SCO, BIMSTEC, G-20, BBIN, G-8 के क्षेत्रीय सहयोग एजेन्डा हो; गरीबी को सभी ने मानवता व मानव की गरिमा के लिए एक कलंक माना है।

संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों की घोषणा में, अपने विकास के एजेन्डे में, गरीबी को एक अभिशाप के तौर पर देखा है तथा विश्व बैंक ने तो अपनी रिपोर्ट में कहा है कि "विश्व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में किसी एक स्थान पर गरीबी विश्व के अन्य स्थानों की शांति के लिए खतरा है अर्थात यदि विश्व के एक कोने में गरीबी होगी तो उसका प्रभाव वैश्वीकरण के कारण अन्य जगह भी पड़ेगा।

गरीबी को अलग-2 अलग परिप्रेक्ष्य से परिभाषित किया गया है यदि UNDP के HDI की बात करे तो शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जीवन स्तर का समुचित न होना गरीबी है; यदि अमर्त्य सेन की माने तो बेसिक सर्विस का न होना तथा कौशल क्षमता न होना गरीबी का कारण है।

यदि विश्व बैंक के रिपोर्ट "The Economic prospects" के बात करे तो उसमें गरीबी का कारण देश में पर्याप्त रोजगार, आर्थिक गतिविधियों तथा आधारभूत संरचना का न होना है।

इन सभी आधारों पर गरीबी को एक ऐसे मापदण्ड से मापा जा सकता है जहां व्यक्ति के पास बेसिक जरूरत जैसे - रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, स्वच्छ पेयजल, आदि की पूर्ति के लिए पर्याप्त संसाधनों का न होना है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए। (Candidate must not write on this margin)

गरीबी को इतनी महत्व देना इसलिए भी आवश्यक है कि एक गरिमा पूर्ण जीवन के अधिकार को तहसनहस करने के अलावा यह पूरे विश्व की शांति व मानवता के लिए भी खतरा है यह क्रांति को जन्म दे सकती है जिसे हम रूस की निरंकुश शासन प्रणाली के संदर्भ में देख सकते है जहा जनता गरीबी व भुखमरी से त्रस्त थी तो राजा भोग-विलास में लिप्त था।

गरीबी व असमानता के कारण विश्व में गृहयुद्ध का जन्म हो सकता है तथा अरब जैसी spring का निर्माण हो सकता है जिसमें गरीबी से त्रस्त जनता तानाशाह सरकारों को हटाकर वह लोकतांत्रिक सरकार के निर्माण को तवज्जो देती है ताकि सरकारे इनके विकास तथा उनकी भौतिक जरूरतों के लिए संसाधनों का समुचित वितरण कर सकें।

यमन में गृहयुद्ध, सीरिया में गृहयुद्ध, ईरान में सरकार विरोधी घटनाएं वेनेजुएला में गृहयुद्ध अप्रत्यक्ष रूप से गरीबी से उत्पन्न हुए माने जा सकते हैं।

गरीबी के कारण दुनिया में एक दूसरी समस्या अपराध का बोलबाला बढ़ना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भी है। यदि पूरे विश्व की बात करें तो गरीब जनता अपराध की दुनिया में प्रवेश कर अपने लिए संसाधन जुटाने तथा अपराध करने से नहीं हिचकते हैं।

गरीबी के कारण वंचना का स्तर बढ़ता है लोगों में असंतोष बढ़ता है तथा वे इन्हें पाने के लिए सब सरकार से असंतुष्ट हो जाते हैं तो अपराध की दुनिया की ओर गमन करना प्रारम्भ कर देते हैं; नक्सलवाद, उग्रवाद, अलगाववाद, क्षेत्रवाद, नृजातीय संघर्ष, सांप्रदायिक तनाव गरीबी से उपजी समस्याएं हैं।

गरीबी से परेशान लोग कई बार संगठित अपराध में संलिप्त पाये जाते हैं जिसमें मानव तस्करी, Drugs की तस्करी, हथियारों की तस्करी, नकली नोटों की तस्करी शामिल है। ये सभी घटनाएं किसी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी करती हैं।

अगर हम भारत के संदर्भ में बात करें तो आजादी के समय हमारे देश में आधी जनसंख्या से ज्यादा गरीब थी जो औपनिवेशिक शासन द्वारा लागू औपनिवेशिक शोषण नीतियों का परिणाम थी जिसका शुरुआती प्रभाव कई क्षेत्रों में किसान आन्दोलन जैसे तेलंगाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आन्दोलन के संदर्भ में देख सकते हैं।

भारत ने एक अल्प विकसित देश के रूप में अपनी यात्रा की शुरुआत की थी जो अब विकासशील बन चुका है व विकसित देश की ओर आगे बढ़ रहा है परन्तु हमारे देश में आज भी लगभग 20 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

भारत में गरीबी ने नक्सलवाद, अलगाववाद, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिक तनाव, जातिगत शोषण, महिला शोषण को बढ़ावा दिया है। गरीब व्यक्ति का शोषण करना वर्तमान में भी जारी है जिसे उन्हें भौतिक संसाधन उपलब्ध कराके पूरा कर सकते हैं।

भारत में तेंदुलकर समिति के अनुसार 25% जनसंख्या गरीब है; तो World Bank के अनुसार यह आंकड़ा 14% के आसपास है तथा Asian Development Bank के अनुसार यह आंकड़ा 24% है; परन्तु जो भी हो गरीबी देश में आज भी एक प्रमुख समस्या है।

विश्व स्तर व भारत के स्तर पर क्रांति व अपराध के रूप में गरीबी का एक प्रमुख कारण रहा है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

परन्तु इसके लिए उत्तरदायी दूसरे कारणों को भी झुठलाया नहीं जा सकता जैसे धार्मिक कारण - शिया व सुन्नी विवाद; प्रोटेस्टेन्ट व कैथोलिक विवाद, श्वेताम्बर - दिगम्बर विवाद; कट्टरपंथी कारण - IS द्वारा इस्लामी राष्ट्र की स्थापना; सम्प्रदायवाद - एक सम्प्रदाय द्वारा दूसरे को दबाना तथा असहनशीलता की प्रवृत्ति; नृजातीय संघर्ष - कुर्द लड़ाके इत्यादि।

भारत में अपराध की दुनिया के कारण सांस्कृतिक कारण उत्तर पूर्व में है जो उग्रवाद व अलगाववाद के रूप में सामने आते है; उग्रवाद, नक्सलवाद तथा आतंकवाद - गैर राज्य तत्वों द्वारा प्रोत्साहित रहे हैं।

विश्व के स्तर पर मधेसी आंदोलन नेपाल के संविधान द्वारा उन्हें अधिकार न देने के कारण हुआ। श्रीलंका में लिट्टे का उद्भव भाषागत भेदभाव से उत्पन्न हुआ। चीन में उईगर को दबाना वह धार्मिक असंतोष का कारण है तो हांगकांग आन्दोलन का कारण स्वतंत्रता पर अंकुश लगाना रहा।

निष्कर्षतः वैश्विक व भारत के स्तर पर गरीबी के कारण समस्याएं बहुआयामी जान पड़ती है अतः इसको दूर करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की जरूरत है जिसमें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गरीबों को बेसिक सर्विस दे सके। UN के द्वारा UN food Programme, यूनिसेफ द्वारा स्वास्थ्य परियोजनाएँ चलायी जा रही है। IMF, world Bank, Asian Development Bank तथा Asian Infrastructure Investment Bank द्वारा देशों को पूंजी निवेश देकर वहां बेसिक इन्फ्रा को बढ़ावा किया जा रहा है।

भारत में सरकार के द्वारा गरीबी को हटाने के लिए प्रधानमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना, प्रधान मंत्री जन औषधी योजना, अटल पेंशन योजना, जन धन योजना, Standup योजना, Startup India स्कीम की शुरुआत की गयी है।

लोगों को पर्याप्त भोजन मिल सके उसके लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS), तथा मिड डे मिल की शुरुआत की तथा NFSA, 2013 - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम द्वारा लोगों को भोजन की वैधानिक सुरक्षा प्रदान की गयी है।

लोगों को शिक्षित करने के लिए सर्वशिक्षा अभियान, स्वयं पोर्टल का शुभारंभ, विद्यांजली योजना, पढेगा भारत - बढेगा भारत, अटल इनोवेशन मिशन की शुरुआत की गयी है जो सकारात्मक कदम है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अगर हम वैश्विक स्तर व भारत के स्तर पर वर्तमान प्रयासों का मूल्यांकन करते हैं तो पाते हैं कि गरीबी सभी सरकारों, संस्थाओं, संगठनों तथा लोगों के लिए केन्द्रीय मुद्दा है। गरीबी को समूल जड़ से खत्म करने तथा सभी को अनुच्छेद-21 प्रदान करने के लिए एक साथ सदृढ़ प्रयास करने की जरूरत है।

लेखक ने सही कहा है कि "गरीबी में पैदा होना अपराध नहीं है परन्तु गरीबी में ही मर जाना अपराध है।"

" ये वंचनाओं का दौर
ये वेदनाओं का दौर
जाने वाला है।"

" सूरज सी रोशनी
हवा सी गति
पानी सी निश्छलता
जमीन सी पावनता
आने वाली है।"
खुशियों का दौर
सफलताओं का दौर
आने वाला है।"

अब जल्द ही पूरे विश्व में वसुधैव कुटुम्बकम तथा सर्वधर्मसमभाव की भावना का प्रसार होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

" सर्वे भवन्तु सुखिन
सर्वे सन्तु निरामया
सर्वे भद्राणी पश्यन्तु
माकश्चिदुक भागभवेत "

अर्थात सभी सुखी रहें; सभी निरोगी हो, सभी का भला हो।"

60/125

* गरीबी एवं हिंसा तथा अपराध के कारण को और समझने के लिए करने की जरूरत है, जैसे- भारत में नक्सलवाद एवं उग्रवाद की समस्या से ग्रसित राज्य आर्थिक-सामाजिक रूप से भी अधिक पिछड़े है वहीं गरीबी में अधिक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation